National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

# नाको समाचार

अक्टूबर - दिसंबर 2017 खंड X अंक 14

Beti Bachao Beti Padhao

Swachh Bharat Abhiyan

Cha'o Banayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097

# अनुक्रमणिका

## मुख्य लेख


विश्व एड्स दिवसः मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार..... 6


## कार्यक्रम


एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.आई. हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति योजना 2017–2024..... 9

मिशन संपर्क..... 9

असम में सुधार संस्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेपों का लोकार्पण..... 10

कारागारों और अन्य सुधार संस्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप के संबंध में राष्ट्रीय परामर्श..... 11

श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा नाको के बीच समझौता ज्ञापन..... 12

असम में एच.आई.वी./एड्स के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन, स्वास्थ्य और नागरिक समाज संगठनों के बीच भागीदारियों के सुदृढ़ीकरण के संबंध में राज्य स्तरीय कार्यशाला..... 13

एन.ए.सी.पी. क्षेत्रीय समीक्षा बैठक – उत्तरी अंचल..... 13

रक्तदाता प्रेरणा संगठनों हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला और सम्मेलन – "ब्लडकॉन"..... 14

राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद (एन.बी.टी.सी.) सरकारी वेबसाइट का लोकार्पण..... 15

आंतरिक सुरक्षा विभाग, गृह मंत्रालय और नाको के संयुक्त कार्यदल की बैठक..... 16


## राज्य


मेघालय..... 17

तमिलनाडु..... 17

पंजाब..... 19

नागालैंड..... 19

मुंबई..... 20


## समारोह


राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस..... 22

विश्व एड्स दिवस..... 22

# संरक्षक की कलम से

नाको समाचार का यह संस्करण प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की परिदृष्टि 'एच.आई.वी. रोकथाम की सार्वभौमिक व्याप्ति; कारगर, समावेशी, न्यायोचित और जरूरतों के लिए अनुकूलीकृत सेवाओं के देखभाल सांतत्यक हेतु उपचार' के माध्यम से 'एड्स मुक्त भारत का मार्ग प्रशस्त' करना है। 2015 तक मिलेनियम डेवलेपमेंट गोल्स (एम.डी.जी.) का लक्ष्य पहले ही सफलतापूर्वक हासिल करने के बाद, अब नाको स्वयं को मिली शिक्षाओं को जोड़ रहा है, ताकि एच.आई.वी./एड्स प्रत्युत्तर संबंधी सेवाओं की अधिक कारगर, दीर्घकालिक और व्यापक व्याप्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'अंतिम मील' तक पहुँचने के लिए राष्ट्रीय पद्धति को पुनः पारिभाषित किया जा सके।

मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि विश्व एड्स दिवस पर एच.आई.वी./एस.टी.आई. के संबंध में राष्ट्रीय कार्यनीति योजना (एन.एस.पी.) 2017–2024 का लोकार्पण किया गया था। इस सात वर्षीय कार्यनीति योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप वैश्विक 90:90:90 के लक्ष्यों तक पहुँचा जा सकेगा और 2020 तक माँ–से–बच्चे को एच.आई.वी. और सिफलिस के संचारण का उन्मूलन किया जा सकेगा।

लॉस्ट टू फॉलो–अप (एल.एफ.यू.) को वापस ए.आर.टी. सेवाओं की परिधि के अंतर्गत लाने के उद्देश्य से, सरकार ने 'मिशन संपर्क' का शुभारंभ किया है। इसके अंतर्गत प्रणाली के अंदर डुप्लीकेटों, राज्यों के बीच साइलेंट ट्रांसफर आउट्स का अभिनिर्धारण करने हेतु राष्ट्रीय डाटा सफाई अभियान चलाया गया है और प्रयासों को गहन बनाने के लिए जी.आई.एस. प्रतिचित्रण किया गया है और उनके लिए, जो अपनी एच.आई.वी. वस्तुस्थिति से अभिज्ञ हैं लेकिन ए.आर.टी. पर नहीं हैं, संपर्क अभियान आरंभ किया गया है।

रोकथाम सेवाओं का विस्तार करने हेतु, कानून प्रवर्तन अभिकरणों, स्वास्थ्य और गैर–सरकारी संगठनों की भागीदारियों के साथ गुवाहाटी में सुधार गृहों में रहने वाले लोगों के लिए एच.आई.वी./एड्स हस्तक्षेप कार्यक्रम आरंभ किया गया है। देश में चालू कारागार एच.आई.वी. हस्तक्षेप में सुधार लाने के अर्थोपायों पर विचार–विमर्श करने के लिए और अन्य आबद्ध परिवेशों (स्वाधार गृह, उज्ज्वला गृह) में रहने वाली महिलाओं के लिए सादृश्य सेवाओं का विस्तार करने हेतु कार्यनीतियों को चिह्नित करने के लिए एक राष्ट्रीय परामर्श का भी आयोजन किया गया था।

मुझे आशा है कि उपर्युक्त पहलें निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अच्छे परिणाम दिखाएंगी।

इन शब्दों के साथ, आप सभी मेरी मंगलकामनाएं स्वीकार करें!

**श्री संजीव कुमार,**
**अपर सचिव (स्वास्थ्य) और महानिदेशक,**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार**

# संयुक्त सचिव की कलम से

**प्रिय पाठकगण,**

एक बार पुनः, नाको समाचार के पिछले संस्करण की भाँति, यह संस्करण भी अक्टूबर–दिसंबर 2017 की समयावधि के दौरान नाको और राज्यों द्वारा संपन्न किए गए सभी कार्यकलापों को निश्चित रूप से दिखाएगा।

हाल ही में, संसद ने ह्यूमन इम्युनोडेफीशिऐंसी वायरस (एच.आई.वी.) और एक्वायर्ड इम्यून डेफीशिऐंसी सिन्ड्रोम (एड्स) (निवारण और नियंत्रण) विधेयक 2017 पारित किया है। एच.आई.वी./एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 2017 विभिन्न हितधारकों के एक दशक से अधिक समय के प्रयासों की पराकाष्ठा है। एच.आई.वी./एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 2017 के प्रवृत्त होने के लिए, नियम और दिशानिर्देश बनाए जा रहे हैं। इस संबंध में, नाको ने श्री जे.वी.आर. प्रसाद राव, भारत सरकार के पूर्व सचिव की अध्यक्षता में एक 'विशेषज्ञ समिति' का गठन किया है। इस समिति ने व्यापक क्षेत्रीय परामर्श (28 राज्यों और 7 संघशासी क्षेत्रों/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को कवर करते हुए) और विविध उप–समिति बैठकों एवं उप–मंडल बैठकों; नाको, एस.ए.सी.एस., विकास भागीदारों, नागरिक समाज के सदस्यों, सामुदायिक संगठनों, पॉजीटिव नेटवर्कों, उद्योगों, संस्थानों और अन्य मंत्रालयों से साधन–सामग्री लेने के बाद नाको को अंतिम नियम और दिशानिर्देश प्रस्तुत किए हैं।

प्रत्येक वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी नाको ने विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। 26 दिसंबर 2017 को नाको ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय एवं नाको के बीच यह भागीदारी इस क्रममाला में 16वां समझौता ज्ञापन है। इस भागीदारी का लक्ष्य श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा अन्य विभिन्न संस्थानों के माध्यम से एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम के संबंध में औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों की विशाल संख्या तक पहुँचना है।

2020 तक एच.आई.वी. और उपदंश के ई.एम.टी.सी.टी. को हासिल करने; 90–90–90 के वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने; नए एच.आई.वी. संक्रमणों को 75 प्रतिशत कम करने (बेसलाइन 2010) और एच.आई.वी. के साथ जुड़े कलंक एवं भेदभाव का उन्मूलन करने के लिए, 22 से 24 नवंबर 2017 तक चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश को शामिल करते हुए एक उत्तरी अंचल समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

कृपया प्रारूप को बेहतर बनाने के लिए, अपने बहुमूल्य विचारों और राय को निःसंकोच साझा कीजिए।

मैं सभी पाठकगणों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ!

**श्री आलोक सक्सेना,**
**संयुक्त सचिव, नाको,**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,**
**भारत सरकार**

# संपादक की कलम से

## वर्ष 2017 – एक शानदार वर्ष

एन.ए.सी.पी. के ढाई दशक के इतिहास में 2017 असाधारण रूप से एक शानदार वर्ष रहा है। मैं इसे असाधारण इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि लंबे समय से लंबित एक मसला जैसे एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) विधेयक 2017 को संसद ने पारित कर दिया और 21 अप्रैल 2017 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है।

पी.एल.एच.आई.वी. की अत्यधिक सहायता करने के अलावा, यह अधिनियम कलंक एवं भेदभाव की समस्या का निवारण करने तथा पी.एल.एच.आई.वी. की देखभाल करने में शामिल स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं सहित लोगों के लिए अन्य सुरक्षात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में बहुत ही सफल साबित होगा।

यह ऐतिहासिक बात है और यह देखना हम सबकी जिम्मेदारी है कि नियमों को ऐसी विधि से बनाया जाए कि अधिष्ठापित कानून के क्रियान्वयन का जमीन पर सुदृढ़ीकरण हो।

इस वर्ष की एक अन्य ऐतिहासिक उपलब्धि "जाँच और उपचार" नीति का क्रियान्वयन था। अतः, अब एच.आई.वी. से संक्रमित किसी भी व्यक्ति को उपचार मिलना आरंभ हो जाएगा, भले उसका CD4 काउंट कुछ भी हो। इसके फलस्वरूप, अप्रैल 2017 के बाद लगभग 1.5 लाख अधिक रोगी उपचार हेतु व्यवस्था में शामिल हुए हैं।

पी.एल.एच.आई.वी. हेतु पहुँच को बढ़ाने हेतु CD4 जांच के लिए 200 पॉइंट ऑफ केयर मशीनों को अंतिम रूप देकर खरीदारी से और प्रथम पंक्ति उपचार विफलता का शीघ्र पता लगाने हेतु सामान्य निगरानी के रूप में वायरल लोड जाँच को अंतिम रूप दिए जाने से पी.एल.एच.आई.वी. के लिए सेवाओं का विस्तार होने के कारण भी यह वर्ष विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए, मेट्रोपोलिस हेल्थ केयर लि. को सार्वजनिक निजी भागीदारी संविदा प्रदान की गई है। एब्बोट को ठेका दिए जाने के साथ 80 वायरल लोड मशीनों की अतिरिक्त खरीदारी को भी अंतिम रूप प्रदान किया गया है।

अब फरवरी 2018 की शुरुआत से 90:90:90 कार्यनीति का तीसरा 90 भी चरणबद्ध तरीके से आरंभ हो जाएगा और 1–2 वर्ष के अंदर ए.आर.टी. ले रहे सभी लोगों की एक वर्ष में एक बार वायरल लोड के लिए जाँच की जाएगी। इससे ए.आर.टी. पर पी.एल.एच.आई.वी. के अनुपालन में अत्यधिक सुधार होगा और विफलता का शीघ्र पता चलेगा।

**इस वर्ष की अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल हैं:**

» एल.एफ.यू. को वापस व्यवस्था में लाने के लिए "मिशन संपर्क" का लोकार्पण किया जाना।
» कारागार हस्तक्षेपों में वृद्धि होना।
» स्वैच्छिक रक्तदान बढ़ाने के लिए नई संवाद सामग्रियों का विकास करना।
» अद्यतन एच.आई.वी. प्रहरी निगरानी डाटा (2016–17) का विमोचन करना।
» श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा आंतरिक सुरक्षा विभाग, गृह मंत्रालय के साथ नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया जाना।
» ओ.वी.सी. परियोजना के अगले चरण को अंतिम रूप दिया जाना।
» ए.एस. और जे.एस., नाको की उपस्थिति में पूर्वोत्तर, पश्चिम और उत्तर के लिए क्षेत्रीय समीक्षा बैठकें किया जाना। और अत्यधिक महत्त्वपूर्ण, अगले सात वर्ष नाको का मार्गनिर्देशन करने हेतु विश्व एड्स दिवस पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना (एन.एस.पी.) 2017–2024 का लोकार्पण किया जाना।

अतः, सरल रूप में यह वर्ष अत्यधिक शानदार रहा है और हम आशा करते हैं कि 2030 तक एड्स के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2018 अपेक्षाकृत नई उपलब्धियों के साथ और भी ज्यादा शानदार वर्ष होगा। आइये, हम इस बात को याद रखेंगे कि हालाँकि काफी कुछ किया जा चुका है, लेकिन फिर भी अब भी काफी कुछ किए जाने की जरूरत है।

**जय हिंद!**

डॉ. नरेश गोयल,
डी.डी.जी. (एल.एस. एंड आई.ई.सी.),
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

# मुख्य लेख

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री समारोह में सभा को संबोधित करती हुईं

## विश्व एड्स दिवसः मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार

पूरे विश्व में 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। विश्व एड्स दिवस मनाना एच.आई.वी./एड्स प्रत्युत्तर का सुदृढ़ीकरण करने और एच.आई.वी. एवं एड्स से प्रभावित लोगों को देखभाल एवं उपचार उपलब्ध कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता है। यह दिवस एच.आई.वी. के विरुद्ध संघर्ष में पूरे विश्व में लोगों के एकजुट होने, एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) हेतु अपनी सहायता का प्रदर्शन करने और एड्स से जुड़ी बीमारियों से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, राज्यों द्वारा समुदायों, गैर–सरकारी संगठनों, युवाओं आदि को शामिल करते हुए जमीनी स्तर पर जागरुकता कार्यकलापों का आयोजन किया जाता है। विश्व एड्स दिवस महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह लोगों और सरकारों का यह स्मरण कराता है कि एच.आई.वी. चला नहीं गया है – वहां जागरुकता पैदा, पूर्वाग्रह से संघर्ष और लोगों को शिक्षित करने की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता अब भी मौजूद है। अगर पलटकर इतिहास पर नजर डाली जाए तो विश्व एड्स दिवस अभी तक का सर्वप्रथम वैश्विक स्वास्थ्य दिवस है, जिसका पहली बार 1988 में आयोजन किया गया था। प्रत्येक वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में एक विशालकाय समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में नागरिक समाज संगठनों से 2500 से अधिक लोगों, सामुदायिक सदस्यों, स्कूलों एवं कालेजों से विद्यार्थियों, एन.वाई.के.एस. से स्वयंसेवकों, उच्च जोखिम समूहों (एच.आर.जी.), पी.एल.एच.आई.वी., गैर–सरकारी संगठनों से प्रतिनिधियों, विकास भागीदारों और विभिन्न सरकारी विभागों से अधिकारियों ने भाग लिया।

इस समारोह में श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि थीं। सुश्री प्रीति सूदन, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, डॉ. बिलाली कामरा, कंट्री कूओर्डिनेटर, यू.एन.एड्स, डॉ. हेंक बेकदम, डब्ल्यू.एच.ओ. रिप्रेजेंटेटिव टू इंडिया, श्री संजीव कुमार, अपर सचिव (स्वास्थ्य) एवं महानिदेशक, नाको और श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

समारोह के आरंभ में, श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना (एन.ए.सी.पी.) के साथ जुड़ी सेवाओं को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। नाको के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के उपलक्ष्य में "जर्नी ऑफ नाको" नामक एक संक्षिप्त फिल्म पर्दे पर दिखाई गई।

श्री प्रदीप कुमार अपने अनुभव श्रोतागण के साथ साझा करते हुए

### श्री संजीव कुमार, अपर सचिव (स्वास्थ्य) एवं महानिदेशक, नाको

मैं यह बात दोहराना चाहूँगा कि विभिन्न समुदायिक सदस्यों और प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी और वचनबद्धता के बिना इस परियोजना में भारी प्रगति संभव नहीं थी। इस अवसर पर मैं उन सबका आभारी हूँ।

### श्री प्रदीप कुमार जिन्होंने 60 किलोग्राम वर्ग में श्री मणिपुर, 2007 का खिताब जीता था

जब मैंने ए.आर.टी. लेना शुरु किया था तब यह मुफ्त उपलब्ध नहीं था। हर महीने मेरे परिवार को 35,000 रुपये का इंतजाम करना पड़ता था। मैं देश में हर किसी के लिए मुफ्त ए.आर.टी. कार्यक्रम शुरु किए जाने के लिए भारत सरकार का आभारी हूँ।

### डॉ. बिलाली कामरा, कंट्री कूओर्डिनेटर, यू.एन.एड्स

मैंने सफलता से भरपूर, उपलब्धियों से भरपूर नाको के 25 वर्षों को देखा है। नाको हमें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाई है। नाको असुरक्षा से सुरक्षा लाई है।

### डॉ. हेंक बेकदम, डब्ल्यू.एच.ओ. रिप्रजेंटेटिव टू इंडिया

हर कोई महत्त्व रखता है। हर किसी की अहमियत है। हर किसी को यह जानने की जरूरत है कि कैसे आप खुद को एड्स से संक्रमित करने की रोकथाम कर सकते हैं।

### सुश्री प्रीति सूदन, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

मैं उन सभी व्यावसाइयों, अनुसंधानकर्ताओं, वैज्ञानिकों का अभिनंदन करती हूँ जिन्होंने एच.आई.वी. से संक्रमित लोगों की बेहतरी के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में हम सब हमारी ओर से कोई भी सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध खड़े हैं।

### श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

अगर मैं अपने सामुदायिक भागीदारों, सामाजिक समूहों, एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों का, जिनके चारों ओर हमारी परियोजना परिक्रमा करती है, धन्यवाद नहीं करूँगा तो ऐसे समारोह में कोई भी धन्यवाद पूरा नहीं होगा।

संगीत और नृत्य ब्रह्माण्ड को आत्मा और मस्तिष्क को पंख प्रदान करता है जो कल्पना से परे है। इस अवसर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए, ट्रांसजेंडर समुदाय "स्पेस ट्रूप" और "डांसिंग क्वीन" द्वारा एक भव्य नृत्य प्रदर्शन किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर लोकार्पण की क्रममाला में, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा दो मुख्य पहलों का लोकार्पण किया गया:
(i) एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.आई. के संबंध में राष्ट्रीय कार्यनीति योजना 2017–2024
(ii) मिशन संपर्क को दिखाने वाले लघु क्लिप

**ई–लॉंच**

» नाको मोनोग्राफ, जिसमें विभिन्न सेवाओं पर 5 पुस्तिकाएं हैं
» राष्ट्रीय रक्ताधान वेबसाइट और नई जागरुकता सामग्री
» 6 राज्यों में चरण 1 का देश में डाटा सत्यापन और एच.आई.वी. एवं उपदंश के ई–एम.टी.सी.टी. का डाटा प्रमाणन

**श्री अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार**

> हम एच.आई.वी. एड्स रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम 2017 अधिष्ठापित करवा पाए हैं जो एक लोगों पर केन्द्रित एक युगांतरकारी और प्रगतिशील विधान है और विभिन्न परिवेशों में एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के सामने आने वाले सभी तरह के भेदभाव की रोकथाम करने को कानूनी स्वीकृति प्रदान करता है।

रंगबिरंगे समारोह की यादों के साथ, हमेशा की तरह विश्व एड्स दिवस एच.आई.वी. के विरुद्ध संघर्ष के लिए ऊर्जा को फिर से नया करने और पी.एल.एच.आई.वी. द्वारा सामना किए जाने वाले कलंक एवं भेदभाव का निवारण करने में एक नया मोड़ रहा है।

सुश्री नेहा पाण्डेय,
आई.ई.सी. एंड एम.एस., नाको

# कार्यक्रम

## एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.आई. हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति योजना 2017–2024

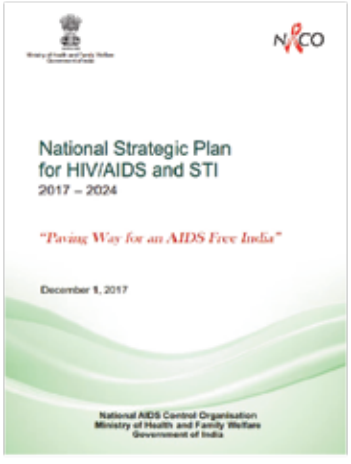


1 दिसंबर 2017 (विश्व एड्स दिवस) को श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा राष्ट्रीय एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.आई. कार्यनीति योजना (एन.एस.पी.) का लोकार्पण किया गया। यह सात वर्षीय राष्ट्रीय कार्यनीति योजना देश के लिए 2030 तक 'एड्स को समाप्त' करने की अग्रदूत बनेगी।

नाको की परिदृष्टि 'एच.आई.वी. रोकथाम की सर्वत्र व्याप्ति; कारगर, समावेशी, न्यायोचित और जरूरतों के लिए अनुकूलीकृत सेवाओं के देखभाल सांतत्यक हेतु उपचार' के माध्यम से 'एड्स मुक्त भारत का मार्ग प्रशस्त' करना है। उन्हीं 'तीन शून्यों' का लक्ष्य है – अर्थात शून्य नए संक्रमण, शून्य एड्स संबंधित मृत्यु और शून्य भेदभाव, जो इस कार्ययोजना नीति का आधार बनते हैं।

इस सात वर्षीय कार्यनीति योजना का क्रियान्वयन 90–90–90 के वैश्विक लक्ष्यों और 2020 तक माँ–से–बच्चे को एच.आई.वी. एवं उपदंश संचारण के उन्मूलन की दिशा में ले जाएगा।

उसके अलावा,एन.एस.पी. के फलस्वरूप 2024 तक नए संक्रमणों के क्षेत्र में हर वर्ष 20,000 से अधिक नए संक्रमणों के स्तर में कमी आएगी, जहाँ इसका एक जन स्वास्थ्य खतरा होना समाप्त हो जाएगा। राष्ट्रीय एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.आई. कार्यनीति योजना (2017–2024) एड्स मुक्त भारत को साकार करने हेतु प्रसंग–विशिष्ट साक्ष्य पर आधारित स्थानीय जरूरतों हेतु प्रत्युत्तर को अनुकूलीकृत करने के लिए एक ठोस ढाँचा उपलब्ध कराती है।

आइये, आज हम सभी इस एन.एस.पी. को क्रियान्वित करने और कलंक एवं भेदभाव का उन्मूलन करने तथा यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने की शपथ लेते हैं कि इस देश में कोई भी बच्चा एच.आई.वी. के साथ पैदा न हो।

**डॉ. आशा हेगड़े, बी.एस.डी., नाको**
**श्री राजीव सिंधू, बी.एस.डी., नाको**

## मिशन संपर्क

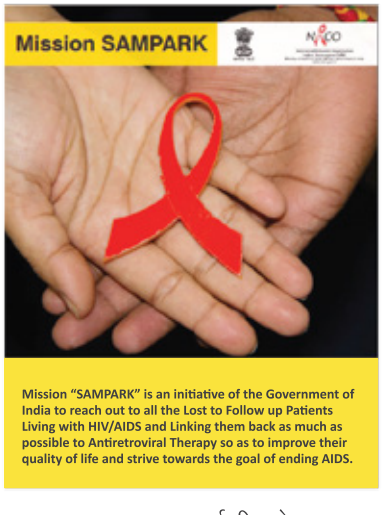


भारत सरकार एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले सभी लोगों के लिए व्यापक, न्यायोचित, कलंक मुक्त, उत्कृष्ट सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। जन स्वास्थ्य पद्धति के साथ जीवनरक्षक एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की निःशुल्क व्यवस्था, एड्स के प्रत्युत्तर में एक प्रमुख स्तंभ है। निःशुल्क ए.आर.टी. सेवाओं ने एक ऐसी बीमारी को, जिसे पहले मौत की सजा माना जाता था, अब एक चिरकारी साध्य चिरकारी बीमारी में बदल दिया है। सरकार द्वारा जाँच और उपचार नीति का लोकार्पण करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था, जिसके अंतर्गत सभी पी.एल.एच.आई.वी. को ए.आर.टी. दिया जाता है, भले सीडी4 काउंट, रोग–नैदानिक चरण, आयु या जनसंख्या कुछ भी हो। और उपचार सेवाए अप्रैल 2017 में नीति को जारी किए जाने के बाद, लगभग 1.73 लाख पी.एल.एच.आई.वी. का ए.आर.टी. शुरु किया गया है।

चूँकि ए.आर.टी. वस्तुतः एक उपचार नहीं है, लेकिन एक जीवनकालिक उपचार है – इसलिए यह अनिवार्य है कि एक बार शुरु किए जाने के बाद, रोगियों को अपने पूरे जीवन यह उपचार लेने और कड़े नियमों का पालन करने की जरूरत है। लेकिन अनेक परिवर्धनकारी कारणों की वजह से, कुछ व्यक्ति जो ए.आर.टी. केन्द्रों में अपना उपचार शुरु कर चुके हैं, वापस आना और उपचार करवाना बंद कर देते हैं। यह नीति एच.आई.वी. के लिए देश के प्रत्युत्तर में एक नया मोड़ है। के बावजूद "तंदुरुस्ती" के अहसास या साइड एफेक्ट्स के भय की वजह से ए.आर.टी. लेने के इच्छुक नहीं हैं। यह राष्ट्रीय परियोजना के एक बड़ी चुनौती पेश करता है। मिशन संपर्क के अंतर्गत, व्यवस्था के अंदर डुप्लीकेटों, राज्यों के

बीच मौन अनुपस्थित स्थानांतरणों का अभिनिर्धारण करने के लिए राष्ट्रीय डाटा की सफाई और प्रयासों को गहन बनाने के लिए जी.आई.एस. प्रतिचित्रण चल रहा है। इसके आधार पर, उन लोगों तक पहुँचने के लिए, "जो अपनी पॉजीटिव वस्तुस्थिति से अभिज्ञ हैं" लेकिन "ए.आर.टी." पर नहीं हैं", एक स्पष्ट मार्ग मानचित्र तैयार किया जाएगा। दूसरे चरण में संपर्क साधने का अभियान चलाया जाएगा। एल.एफ.यू. के लिए मौके पर परामर्श सेवाएं, मौजूदा लाभार्थी योजनाओं के लिए लिंकेज और ए.आर.टी. केन्द्र में चिकित्सा सेवा, यदि कोई हो, पेश की जाएगी। इस प्रयास के साथ, सरकार सभी पी.एल.एच.आई.वी. को ए.आर.टी. सेवाओं के अंतर्गत लाने और 2030 तक एड्स को समाप्त करने के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने हेतु अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयत्न करेगी।

**डॉ. मनीष बमरोतिया**
**सी.एस.टी. नाको**

## असम में सुधार संस्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेपों का लोकार्पण

श्री संजीव कुमार, अपरसचिव एवं महानिदेशक, नाको ने कैदियों के लिए सचल आई.सी.टी.सी. सुविधा का उदघाटन किया और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पास उपलब्ध सुविधा के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर का लोकार्पण भी किया

2 नवंबर 2017 को श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने राज्य महिला गृह, गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में सुधार गृहों में रहने वाली महिलाओं के लिए एच.आई.वी./एड्स हस्तक्षेपी कार्यक्रम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री एस.के. सिन्हा, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, असम सरकार; श्रीमती वरनाली डेका, अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, निदेशक आयूष और परियोजना निदेशक असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ए.एस.ए.सी.एस.) और श्री नवकुमार तामुली, उपनिदेशक, समाज कल्याण विभाग, असम सरकार उपस्थित थे। सुधार गृहों में रहने वाली महिलाओं के लिए एच.आई.वी./एड्स हस्तक्षेपी कार्यक्रम शुरु करने वाला यह पहला राज्य है। ए.एस.ए.सी.एस. और समाज कल्याण विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और आदान–प्रदान किया गया, जिसके अनुसार इस राज्य में सभी महिला सुधार गृहों में हस्तक्षेपी कार्यक्रम की योजना बनाई और निष्पादित की जाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए, श्री संजीव कुमार ने बल दिया कि सुधार गृह में एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वालों के लिए उपचार और देखभाल सामान्य आबादी हेतु उपलब्ध उपचार और देखभाल के समतुल्य होना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह समझौता ज्ञापन महिलाओं की समस्याओं का निवारण करने और कौशलों एवं रोजगार के साथ उनका पुनर्वास एवं सशक्तीकरण करने में महत्त्व ग्रहण करता है। श्री एस.के. सिन्हा, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, असम सरकार ने विशेष उल्लेख किया कि वहां एच.आई.वी. के विरुद्ध संगठित संघर्ष हेतु विभिन्न अभिकरणों के लिए एक साझा मंच की जरूरत है।

लोकार्पण समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तिः डॉ. बित्रा जॉर्ज, कंट्री डायरेक्टर, एफ.एच.आई. 360; समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, असम सरकार से वरिष्ठ अधिकारीगण; तकनीकी विशेषज्ञ, क्षेत्रीय डी.ए.पी.सी.यू. समन्वयक, क्षेत्रीय सी.एस.टी. समन्वयक, परियोजना अधिकारीगण, क्षमता निर्माण विशेषज्ञ, और एफ.एच.अई. 360$^0$ एन.ई.टी.एस.यू. से अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, असम एस.ए.सी.एस. से अधिकारीगरण तथा महिला और बाल विकास मंत्रालय से सहायता–प्राप्त सुधार संस्थानों से अधीक्षकगण और राज्य महिला गृह से 100 से अधिक

**श्री अब्राहम लिंकन,**
**तकनीकी विशेषज्ञ – हानि न्यूनीकरण,**
**नाको**

# कारागारों और अन्य सुधार संस्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप के संबंध में राष्ट्रीय परामर्श

6 दिसंबर 2017 को नई दिल्ली में श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में कारागारों एवं अन्य बंद परिवेशों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप संबंधी राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया। इस परामर्श का लक्ष्य देश में इस समय चालू कारागार एच.आई.वी. हस्तक्षेपों में सुधार लाने के अर्थोपायों पर विचार–विमर्श करना, अन्य बंद परिवेशों (स्वाधार गृह, उज्ज्वला गृह) में रहने वाली महिलाओं के लिए सादृश्य सेवाओं का विस्तार करने हेतु कार्यनीतियों का अभिनिर्धारण करना, कारागारों और अन्य बंद परिवेशों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप हेतु तैयार किए गए प्रचालनिक दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देना, कारागार परिवेशों में निगरानी स्थल स्थापित करने के महत्त्व पर विचार–विमर्श करना, और पंजाब की कारागारों में किए गए अध्ययन सहित कुछ–एक सर्वश्रेष्ठ कार्यपद्धतियों को साझा करना था। श्री संजीव कुमार ने बल दिया कि नाको नशीली दवाओं को इस्तेमाल करने वाले लोगों और कारागार में कैद लोगों के लिए एच.आई.वी. सेवाओं की समान सुलभता सुनिश्चित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा की गई मुख्य सिफारिशों को संज्ञान में ले रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि यू.एन.एड्स, डब्ल्यू.एच.ओ., यू.एन.ओ.डी.सी. और अन्य मुख्य हितधारकों के परामर्श से नाको ने कारागारों एवं अन्य बंद परिवेशों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप के क्रियान्वयन हेतु संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों द्वारा संस्तुत व्यापक पैकेज से पात्र हस्तक्षेपों का अभिनिर्धारण किया है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि नाको पूरे देश में कारागारों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप को तेजी से बढ़ा रहा है, जो इस समय 14 राज्यों में 90 से अधिक कारागार स्थलों के माध्यम से लगभग 1,20,000 कारागार कैदियों को सेवाएं प्रदान कर रही है।

श्री अजय कश्यप, पुलिस महानिरीक्षक (कारागार), तिहाड़ जेल ने सूचित किया कि दिल्ली में 16 केन्द्रीय कारागार हैं जो एक ही प्रशासन के अधीन हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण पूर्व क्षेत्र में तिहाड़ उन कुछ–एक कारागारों में से एक है जिन्होंने कारागार की आबादी के लिए व्यापक एच.आई.वी. रोकथाम और उपचार सेवाएं शुरु की हैं। डॉ. हेंक बेकदम, डब्ल्यू.एच.ओ. रिप्रेजेंटेटिव–इंडिया ने उल्लेख किया कि पूरे विश्व में सामान्य आबादी की तुलना में कारागार के कैदियों के बीच विभिन्न कारणों से उच्चतर एच.आई.वी., तपेदिक और यकृत शोथ सी एवं बी संक्रमण रिपोर्ट किए गए हैं। डॉ. एस. वेंकटेश, उप–महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने उल्लेख किया कि क्रियान्वयन के पिछले बारह माह के दौरान डाला गया प्रभाव पूरे देश में कारागार परिवेशों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप को तेजी से बढ़ाने की पुरजोर सिफारिश करता है।

डॉ. भवानी सिंह कुशवाहा,
उपनिदेशक – टी.आई.
सुश्री किम होजेल,
तकनीकी अधिकारी – आई.डी.यू.

# श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा नाको के बीच समझौता ज्ञापन

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको श्री मनीष गुप्ता, संयुक्त सचिव, श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ

नाको ने एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित एवं पीड़ित लोगों और सर्वाधिक जोखिमग्रस्त आबादियों के लिए सुग्राहिता न्यूनीकरण, सेवाओं के एकीकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सहयोगात्मक पद्धति का सुदृढ़ीकरण करने के लिए भारत के सरकार के प्रमुख मंत्रालयों के साथ भागीदारी को औपचारिक रूप देना शुरु किया है। 26 दिसंबर 2017 को नाको में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। श्रम और रोजगार मंत्रालय की ओर से श्री मनीष गुप्ता, संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की ओर से श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा नाको के बीच यह भागीदारी इस क्रममाला में 16वां समझौता ज्ञापन है।

**इस भागीदारी का लक्ष्य**

- एस.टी.आई./एच.आई.वी./एड्स और संबंधित सेवाओं, विशेषकर वी.सी.टी./वर्क के अंतर्गत एच.आई.वी. जाँच और एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले कामगारों के उपचार के बारे में जानकारी के साथ संगठित और असंगठित, दोनों क्षेत्रों में कार्यशील आबादी की बड़ी संख्या तक पहुँचना।
- मौजूदा स्वास्थ्य अवसंरचना में एकीकरण के माध्यम से एकीकृत परामर्श और जाँच केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)/यौन संचारित संक्रमणों (एस.टी.आई.)/एच.आई.वी. सेवाओं का पैकेज उपलब्ध कराना।
- एच.आई.वी./एड्स हस्तक्षेप के लिए विभिन्न मुख्य हितधारकों जैसे नियोक्ता संगठनों, ट्रेड यूनियनों और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के उद्योगों को एकजुट करना, जैसा कि एच.आई.वी./एड्स संबंधी राष्ट्रीय नीति और एम.ओ.एल.ई. द्वारा अंगीकृत वर्ल्ड ऑफ वर्क में सुझाव दिया गया है। श्रम और रोजगार मंत्रालय नाको के साथ भागीदारी करने वाला एक मुख्य मंत्रालय है। हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में यथा निर्धारित कार्यकलापों को क्रियान्वित करने के उद्देश्य से, दोनों मंत्रालयों से वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्यदल (जे.डब्ल्यू.जी.) का गठन किया जाएगा।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न संगठनों और संस्थानों की सार्थक प्रणबद्धता के माध्यम से औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों के लिए एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम का सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ यह भागीदारी महत्त्वपूर्ण है।

**श्री अशीष वर्मा,**
**आई.ई.सी. एवं एम.एस., नाको**

## असम में एच.आई.वी./एड्स के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन, स्वास्थ्य और नागरिक समाज संगठनों के बीच भागीदारियों के सुदृढ़ीकरण के संबंध में राज्य स्तरीय कार्यशाला

3 नवंबर 2017 को गुवाहाटी में श्री संजीव कुमार, अपर सचिव और महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में एच.आई.वी./एड्स के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन अभिकरणों, स्वास्थ्य और नागरिक समाज संगठनों के बीच भागीदारियों का सुदृढ़ीकरण करने के लिए एक राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपर सचिव और महानिदेशक, नाको की उपस्थिति में, असम एस.ए.सी.एस. ने गृह विभाग, असम सरकार के अधीन कारागार मुख्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर चर्चा करते हुए, श्री संजीव कुमार, नाको ने सीमांत समूहों के लोगों के साथ संव्यवहार पर बल दिया जिनकी समस्याएं उनके आचरण के साथ जुड़ी होती हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कैद का आई.डी.यू. महिला यौन कार्यकर्ता और पुरुषों के साथ मैथुन करने वाले पुरुषों पर मामूली प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आगे यह भी उल्लेख किया कि स्वापक दवाएं और नशीले पदार्थ (संशोधन) अधिनियम 2014 की धारा ने ऑपयड प्रतिस्थापन चिकित्सा को वैध बनाया है और उन प्रावधानों का विशेष उल्लेख किया जो धारा 64ए के अंतर्गत व्यसनियों को उपचार हेतु स्वयं अपनी इच्छा से आगे आने के लिए उपलब्ध हैं।

गुवाहाटी केन्द्रीय कारागार में अपने दौरे पर, श्री संजीव कुमार ने कारागार महानिरीक्षक को सभी चिकित्सा और पराचिकित्सा कर्मचारियों को ओ.एस.टी. सेवा सहित एच.आई.वी. की रोकथाम एवं उपचार के सभी पहलुओं में प्रशिक्षित होने का निर्देश जारी करने की सलाह दी ताकि असम में सभी वरीयता–प्राप्त कारागारों में हस्तक्षेपों को बढ़ाया जा सके।

**सुश्री सोफिया खुमुकचाम,**
**कार्यक्रम अधिकारी – आई.डी.यू.**

## एन.ए.सी.पी. राष्ट्रीय समीक्षा बैठक – उत्तरी अंचल

समीक्षा बैठक के दौरान अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको

22 से 24 नवंबर 2017 को लखनऊ में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना की तीसरी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की गई जिसमें चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश को कवर किया गया। श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने बैठक की अध्यक्षता की। श्री प्रशांत त्रिवेदी, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, श्री पंकज कुमार, एम.डी., एन.एच.एम. एवं परियोजना निदेशक यू.पी.एस.ए.सी.एस. और श्री बी. श्रीनिवासन, अपर सचिव स्वास्थ्य एवं परियोजना निदेशक पी.एस.ए.सी.एस. ने नाको और एस.ए.सी.एस. से अधिकारीगण,

व्यावसायिक एसोसिएशनों, समुदाय से प्रतिनिधियों और विकास भागीदारों के साथ इस बैठक में भाग लिया। इस बैठक के मुख्य उद्देश्य 2016–17 एवं 2017–18 के लिए एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत सभी घटकों: परामर्श सहित आधार सेवाएं, जाँच, एच.आई.वी.–तपेदिक, एच.आई.वी. एवं उपदंश का ई.एम.टी.सी.टी. और एस.टी.अई./आर.टी.आई.; अनुसंधान; लक्षित हस्तक्षेप; निगरानी और मूल्यांकन; देखभाल, सहायता और उपचार; आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग; प्रयोगशाला सेवाएं; ब्लड बैंक; मानव संसाधन; प्रशा. एवं वित्त के प्रदर्शन की समीक्षा करना और 2020 तक एच.आई.वी. एवं उपदंश के ई.एम.टी.सी.टी. को हासिल, 90–90–90 के वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने, नए एच.आई.वी. संक्रमणों को 75% कम करने (बेसलाइन 2010) और एच.आई.वी. के साथ जुड़े कलंक एवं भेदभाव का उन्मूलन करने के लिए कार्यनी. ति पर विचार–विमर्श करना था।

**बैठक की विशेषताएं:**

- » पांच राज्यों (बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम और उत्तर प्रदेश) में माँ से बच्चे को संचारण के उन्मूलन (ई.एम.टी.सी.टी.) की समीक्षा करना
- » महामारी विज्ञान तथ्य–पत्रक का विमोचन: उत्तरी राज्यों पर जिल्द

डॉ. आशा हेगड़े, बी.एस.डी., नाको
श्री राजीव सिंधू, बी.एस.डी., नाको

## रक्तदाता प्रेरणा संगठनों हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला और सम्मेलन – "ब्लडकॉन"

"ब्लडकॉन 2017" – रक्तदाता प्रेरणा संगठनों हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला और सम्मेलन में प्रतिभागीगण

राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद (एन.बी.टी.सी.), नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में सुसमन्वित रक्ताधान सेवाओं (बी.टी.एस.) के माध्यम से रक्त को सुगम्य और सुलभ बनाने के लिए स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहन देने का आदेश दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में, एन.बी.टी.सी. ने फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर्स ऑरग्नाइजेशन (एफ.आई.बी.डी.ओ.), पश्चिम बंगाल के सहयोग से 10 से 12 नवंबर 2017 को लवली प्रोफेशनल यूनीवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब में "ब्लडकॉन 2017" – रक्तदाता प्रेरणा संगठनों हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला और सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यशाला में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री के.पी. सिंह, माननीय अध्यक्ष, पंजाब विधान सभा ने डॉ. शोभिनी राजन, निदेशक – एन.बी.टी.सी., श्री सोम प्रकाश, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव, विधायक, फगवाड़ा, श्री अंगद सिंह, विधायक, नवांशहर, श्री रमेश मित्तल, लवली ग्रुप चेयरमैन, श्री के.पी. राजगोपालन, एफ.आई.बी.डी.ओ. प्रेजीडेंट, श्री विश्वरूप विश्वास, नेशनल सेक्रेटरी, श्री एच.आर. सिंह, एल.पी.यू. डायरेक्टर जनरल और श्री वितिन पुरी, प्रेजीडेंट, एच.डब्ल्यू.बी.डी. क्लब ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। रक्तदान के महत्त्व के बारे में विद्यार्थियों का संवेदीकरण करने के लिए, परिसर के अंदर एक पदयात्रा – "वाक फॉर ब्लड" का आयोजन किया गया।

# राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद (एन.बी.टी.सी.) की सरकारी वेबसाइट का लोकार्पण

**www.nbtc.naco.gov.in**

1 दिसंबर 2017 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा एन.बी.टी.सी. की सरकारी वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। देश में नेटवर्क्ड, केन्द्रीय रूप से समन्वित, कुशल और स्वालंबी बी.टी.एस. तंत्र के लिए एन.बी.टी.सी. वेबसाइट अनिवार्य है। एन.बी.टी.सी. वेबसाइट की संकल्पना ब्लड बैंक प्रबंधन से संबंधित समस्त सूचना के लिए सर्व सेवा केन्द्र के रूप में की गई है जिसमें स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहन देना, नवीनतम दिशानिर्देशों तक पहुँच, नीतिगत अपडेट्स शामिल हैं और सभी स्तरों पर अन्य प्रासंगिक वेबसाइटों एवं संसाधनों के वेबसाइट लिंक उपलब्ध कराए गए हैं।

### एन.बी.टी.सी. वेबसाइट की मुख्य विशेषताएं

- केन्द्रीकृत डाटाबेस और मुख्य व्यक्तियों का संपर्क विवरण
- शिकायतें/फीडबैक
- रक्त संघटक स्टॉक का विवरण
- राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाताओं और स्वैच्छिक रक्तदान (वी.बी.डी.) संगठनों/एसोसिएशनों के लिए रजिस्ट्री संबंधी केन्द्रीकृत सूचना
- शीर्ष और प्रशिक्षण केन्द्र सेवाएं
- दाता प्रणबद्धता और वी.बी.डी. शिविरों का कार्यक्रम
- कैम्प कैलेंडर
- एस.बी.टी.सी. एवं एस.ए.सी.एस., हीमोविजीलेंस, एन.ओ.टी.टी.ओ. आदि की वेबसाइटों के लिंक

डॉ. शोभिनी राजन, ए.डी.जी. नाको,
श्री जोली जे.लाजारूस (वी.बी.डी.), नाको

# आंतरिक सुरक्षा विभाग, गृह मंत्रालय और नाको के संयुक्त कार्यदल की बैठक

डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (आई.ई.सी. एवं एल.एस.) समूह के अध्यक्ष के रूप में संयुक्त कार्यदल के सदस्यों को संबोधित करते हुए

आंतरिक सुरक्षा विभाग, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में निर्धारित कार्यकलापों के क्रियान्वयन हेतु, उप महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में एक संयुक्त कार्यदल (जे.डब्ल्यू.जी.) का गठन किया गया है। 6 अक्टूबर 2017 को नाको में संयुक्त कार्यदल की पहली बैठक की गई थी जिसमें केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, असम राइफल और नाको से वरिष्ठ अधिकारीगण ने भाग लिया था।

**नाको और गृह मंत्रालय के बीच भागीदारी का उद्देश्यः**

- » केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की बड़ी संख्या तक पहुँचना और एस.टी.आई./एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में सही जानकारी उपलब्ध कराना
- » पी.एल.एच.आई.वी. और एम.ए.आर.पी. के विरुद्ध कलंक और भेदभाव का न्यूनीकरण करने हेतु पुलिस बलों के बीच मानवीय परिप्रेक्ष्य और उपयुक्त कौशलों के निर्माण में सहायता करना
- » आंतरिक सुरक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में एस.टी.आई./एच.आई.वी./एड्स सेवाओं का एकीकरण करना और प्रमुख प्रशिक्षणों में एच.आई.वी./एड्स की समस्या को शामिल करने हेतु दिशानिर्देशों का निर्गमन

विचार–विमर्श में एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम, सेवाओं के साथ लिंकेज और कारगर बहुक्षेत्रक प्रत्युत्तर के माध्यम से एच.आई.वी. के लिए राष्ट्रीय प्रत्युत्तर का सुदृढ़ीकरण करने के कार्यकलापों संबंधी जागरुकता संदेशों के साथ सशस्त्र बलों की बड़ी संख्या तक पहुँचने पर फोकस किया गया।

**विवेचित मुख्य कार्रवाई बिंदु इस प्रकार थेः**

- » गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की सभी इकाइयों को वास्तविक क्रियान्वयन हेतु कार्यकलापों का प्राथमिकता–निर्धारण करने हेतु परामर्शी/दिशानिर्देशों का निर्गमन, जैसा कि आंतरिक सुरक्षा विभाग और नाको के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में निर्धारित है।
- » केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के चिकित्सा अधिकारियों/स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अन्य कर्मचारियों का प्रशिक्षण
- » राष्ट्रीय दिशानिर्देश, उपचार प्रोटोकॉल जैसे 'जाँच और उपचार', प्रशिक्षण मॉड्यूल, एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 आदि साझा करना।
- » जागरुक लोगों की संख्या साझा करना और सेवाओं के साथ लिंक करना।
- » जागरुकता पैदा करने के अभियानों के लिए कल्याण एसोसिएशनों, पत्नी कल्याण एसोसिएशनों, पूर्व सैनिकों, सिपाहियों की प्रणबद्धता। एस.ए.सी.एस. के साथ बेहतर समन्वय के लिए और 'नाको एड्स एप', 'राष्ट्रीय एड्स हेल्पलाइन 1097' सहित मोबाइल एप्लीकेशन संबंधी उपलब्ध सेवाओं के उपयोग के लिए गृह मंत्रालय कल्याण एसोसिएशनों की सूची उपलब्ध करा सकता है।

श्री अशीष वर्मा,
आई.ई.सी. एवं. एम.एस., नाको

# राज्य

## मेघालय

### एडोलेसेंट एजुकेशन प्रोग्राम (ए.ई.पी.) के संबंध में समकक्ष शिक्षकों हेतु दो दिवसीय संवेदीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला

भारत में एड्स नियंत्रण परियोजना विशेषज्ञ रूप से तैयार किए गए किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम (ए.एफ.पी.) के माध्यम से युवाओं तक पहुँचती है, जो मुख्यतः जागरुकता पैदा करने के माध्यम से रोकथाम करने पर फोकस करती है।

21 और 22 सितंबर 2017 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मेघालय सरकार में मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डी.ई.आर.टी.) और विद्यालयी प्राथमिक साक्षरता निदेशालय (डी.एस.ई.एल.), मेघालय से तकनीकी सहायता के साथ ए.ई.पी. के संबंध में समकक्ष शिक्षकों के लिए दो दिवसीय संवेदीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस क्षेत्र ए.ई.पी. में सकमक्ष शिक्षकों की भूमिका को परिभाषित करना था।

कार्यशाला में क्रमवार प्रस्तुतीकरण दिए गए जिनमें लरीना नोंगप्यिूर (ए.डी. यूथ) द्वारा ए.ई.पी. में समकक्ष शिक्षकों की भूमिका पर, अरबॉर थैंगख्यिू (वी.एच.ए.एम. से प्रतिनिधि) द्वारा स्वापक दवाओं के दुष्प्रभाव और मिथन एवं गलत धारणाओं पर, मिटसी नोंग्रम (आई.सी.टी.सी. परामर्शदाता) द्वारा एक परामर्शदाता की भूमिका और बुनियादी सेवाओं पर और लालननमावी पाशूओ (आर.पी.एम.) द्वारा जीवन कौशलों पर एक प्रस्तुतीकरण शामिल था।

प्रस्तुतीकरणों के बाद, घटनाओं के अध्ययन और एक मानव में शारीरिक एवं जैविक बदलावों का निरूपण करने वाले कायिक प्रतिचित्रण की बारीक परख पर एक सामूहिक कार्य प्रस्तुत किया गया।

**डब्ल्यू. एलेक्जेंडर खारकोंगोर**
**ए.डी. (आई.ई.सी.), मेघालय एस.ए.सी.एस.**

## तमिलनाडु

### बाल दिवस उत्सव

एक बालक डॉ. सी. विजय भास्कर, एम.बी.बी.एस., माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री का स्वागत करता हुआ

तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस.) ने देखभाल और सहायता उपलब्ध कराने वाले गैर–सरकारी संगठनों और सी.बी.ओ. से 180 बच्चों के साथ बिड़ला ताराघर, चेन्नै में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) के आंतरिक कौशलों और क्षमताओं का संवर्धन करना था। डॉ. सी. विजय भास्कर, बी.एल., माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने श्री कार्तिक

शिवकुमार, फिल्म अभिनेता के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. जे. राधाकृष्णनन, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने समारोह की अध्यक्षता की और डॉ. के. सेंथिल राज, आई.ए.एस. सम्मानित अतिथि थे।

डॉ. सी. विजय भास्कर, एम.बी.बी.एस., माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ

**समारोह का प्रभाव और परिणाम**

- » सी.एल.एच.आई.वी. को उनकी क्षमताएं उजागर करने के लिए बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना
- » उनके बीच सामाजिक जनसमूह का सशक्तीकरण करने के लिए खड़ा होना और अन्य बच्चों के साथ मंच की साझेदारी करना
- » सी.एल.एच.आई.वी. के अभिभावकों/हमउम्रों के बीच व्यवहारवादी बदलाव लाने के लिए नैतिक सहारा और प्रेरणा मुहैया कराना ताकि वह बिना किसी आत्म–कलंक के अपने बच्चों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा में निवेश करें

**सीधे सी.एल.एच.आई.वी. के दिल से:–**

*"मुझे इस कार्यक्रम में शामिल होकर अत्यधिक खुशी हो रही है और एक लोकप्रिय अभिनेता से मिलना सौभाग्य था और सर्वोपरि, मुझे यहां नए दोस्त मिले हैं।" – सेल्वी और जनानी*

*"हमने पहले कभी इतने शिक्षाप्रद कार्यक्रम में भाग नहीं लिया था; हमें आनंद मिला और ढेर सारे वैज्ञानिक और सामाजिक मसलों के बारे में जाना। सर्वश्रेष्ठ तो वे किताबें थीं जो हमें मिली हैं, ये हमारे ज्ञान को बढ़ाने में मदद करेंगी।" गोपालकृष्णन और विजय*

## राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (एन.आई.ई.पी.एम.डी.) के संकायवर्ग हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

श्री एस. शंकर नारायण, उप–रजिस्ट्रार (प्रशासन), एन.आई.ई.पी.एम.डी. प्रशिक्षार्णियों के साथ

एच.आई.वी./एड्स से जुड़ी समस्याओं के बारे में जागरुकता का प्रसार और शिक्षित करने और पाठ्यक्रम में एच.आई.वी. को शामिल किए जाने के उद्देश्य से, 25 अक्टूबर 2017 को एन.आई.ई.पी.एम.डी., मुत्तूकुडू में 10 संकायवर्ग सदस्यों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

18 अपने स्वागत भाषण के दौरान, श्री एस. शंकर नारायण, उप–रजिस्ट्रार (प्रशासन) ने संकायवर्ग से टी.ओ.टी. कार्यक्रम में शामिल होने ओर विद्यार्थियों के लिए एच.आई.वी./एड्स का सही संदेश का प्रसार करने का अनुरोध किया। सत्रों में भारत में एच.आई.वी./एड्स का परिदृश्य और राष्ट्रीय प्रत्युत्तर, एच.आई.वी./एड्स की बुनियादी बातें, एच.आई.वी. की रोकथाम, एम.ए.आर.पी.एस और एच.आई.वी. के जेन्डर आयामों को समझना, सकारात्मक जीवन जीना, और पी.एल.एच.आई.वी. के विरुद्ध कलंक एवं भेदभाव तथा एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम में कैसे योगदान किया जाए, शामिल थे।

**प्रशिक्षण के मुख्य परिणाम**

- » एच.आई.वी. को पाठ्यक्रम में शामिल करना
- » क्रेडिट आधारित एच.आई.वी. प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरु करना
- » एन.आई.ई.पी.एम.डी. वेबसाइट पर एच.आई.वी. सूचना अपलोड करना
- » एन.आई.ई.पी.एम.डी. के प्रशासनिक कर्मचारियों एच.आई.वी. का प्रशिक्षण देना

आर. लीलाकृष्णन
तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

# पंजाब

## जन जागरुकता मुहिम

पंजाब एस.ए.सी.एस. ने 2020 तक 90:90:90 का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रामीण और अर्ध–शहरी इलाकों में एच.आई.वी./एड्स/एस.टी.आई./ओ.एस.टी./वी.बी.डी. के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए "एच.आई.वी./एड्स जन जागरुकता मुहिम" नामक एक अनूठी मल्टी–मीडिया अभियान को अपनाया। इस मुहिम के जरिये लगभग 15 लाख लोगों से संपर्क साधा गया। 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक पहले चरण और 1 दिसंबर 2017 से 29 जनवरी तक दूसरे चरण का आयोजन किया गया जिसमें 3000 से अधिक वाले 1000 गांवों, शहरी/ग्रामीण /अर्ध–शहरी स्लम, को कवर किया गया।

सुश्री अंजलि भावरा, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंजाब श्री बी. श्री निवासन, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक, पी.एस.ए.सी.एस. एवं अपर सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और डॉ. मनप्रीत चट्ठवाल, अतिरिक्त परियोजना निदेशक, पी.एस.ए.सी.एस. की उपस्थिति में एच.आई.वी./एड्स जन–जागरुकता मुहिम को झंडी दिखा कर रवाना करती हुई

एक निर्धारित समयावधि तक निर्धारित जिलों में रोकथाम, निदान और उपचार सेवाओं के बारे में विषयक जानकारी से सुसज्जित आई.ई.सी. वैनों को घुमाया गया। सूक्ष्म योजना के अनुसार, संबंधित सिविल सर्जनों द्वारा 1000 गांवों का अभिनिर्धारण किया गया था। अप्रभावित आबादी तक पहुँचने के लिए, जिला स्तर पर तपेदिक अधिकारियों को नोडल अधिकारियों के रूप में और राज्य स्तर पर आई.ई.सी. अधिकारियों और अन्य परियोजना अधिकारियों को नोडल अधिकारियों के रूप में नामित किया गया था।

### जन जागरुकता मुहिम के तथ्य

- कुल 14,051 ग्रामीणों को परामर्श दिया गया और उनमें से 13,852 ग्रामीणों की एच.आई.वी. जांच की गई।
- कुल 34 लोगों की प्रथम जांच के परिणाम में एच.आई.वी. प्रतिक्रियाशीलता पाई गई। पता लगाए गए इन लोगों को पुष्ट परिणामों के लिए संबंधित जिलों के सबसे नजदीकी एकल आई.सी.टी.सी. के साथ और तीन जांच के परिणामों में पॉजीटिव पाए जाने की स्थिति में आगे के लिंकेज हेतु ए.आर.टी. केन्द्रों के साथ लिंक किया गया।
- 16,826 लोगों को कंडोम संबंधी परामर्श दिया गया।
- मुहिम के पहले दौर में आयोजित 120 लोक प्रदर्शनों में कुल 21,229 व्यक्ति एकत्रित हुए थे। मुहिम का दूसरा चरण प्रगति पर है जो 500 गावों के साथ 10 जिलों को कवर करेगा।

**पंजाब एस.ए.सी.एस.**

# नागलैंड

## हॉर्नबिल उत्सव –"त्योहारों का त्योहार"

हॉर्नबिल उत्सव नागालैंड का सबसे लोकप्रिय उत्सव है। इस उत्सव का नाम हॉर्नबिल, इस राज्य में एक सर्वाधिक पूजनीय पक्षी प्रजाति से पड़ा है जिसका महत्त्व अनेक जनजातीय सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, गीतों और नृत्यों में परिलक्षित होता है। 1 दिसंबर से 10 दिसंबर 2017 तक नागलैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (एन.एस.ए.सी.एस.) ने धनेश उत्सव का

आयोजन किया। किसामा, कोहिमा में रंग–बिरंगे और जोशपूर्ण स्टॉल लगाए गए, जहां स्थानीय लोगों ने पूरे जोश और उमंग–उत्साह के साथ भाग लिया।
1 दिसंबर से 10 दिसंबर 2017 तक उत्सव स्थल पर एक सचल आई.सी.टी.सी. स्थापित किया गया था, जिसमें कुल 53 व्यक्ति स्वैच्छिक परामर्श और एच.आई.वी. जांच के लिए आगे आए।

## मल्टीमीडिया अभियान – "अब जिंदगी, हाँ जिंदगी, एच.आई.वी. नहीं"

1 दिसंबर 2017 को एन.एस.ए.सी.एस. ने कोहिमा में 'द हेरीटेज' में एक मल्टीमीडिया अभियान का आयोजन किया। कुल मिलाकर, 12 बैंड्स ने राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता में भाग लिया जिसका अयोजन 'अब जिंदगी, हां जिंदगी, एच.आई.वी. नहीं' विषय पर किया गया था। श्री एन. रामाकृष्णन, आई.ए.एस., आयुक्त और सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण ने अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने युवाओं से एच.आई.वी. और एड्स के बारे में जागरुकता और शिक्षा का प्रसार करने का अर्ज किया।

दिमापुर से द बैंड सिन्स नाइनटीज को राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। कोहिमा से पे द रेन्ट और दिमापुर से ट्रान्स एफेक्ट को क्रमशः प्रथम उपविजेता और द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया।

**नागलैंड एस.ए.सी.एस.**



# मुंबई

## आनंद मेला – एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों (सी.एल.एच.ए.) के लिए एक आनंदोत्सव

श्री मार्क ग्रीन, यू.एस.एड एडमिनीस्ट्रेटर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी (एम.डी.ए.सी.एस.) द्वारा एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों (सी.एल.एच.ए.) को एकजुट होने का अवसर उपलब्ध कराने के लिए एक अनूठी पहल, 'आनंद मेला' का एक्वर्थ कॉम्प्लैक्स, किदवई मार्ग, वडाला वेस्ट, मुंबई में आयोजन किया गया। श्री मार्क ग्रीन, यू.एस.एड एडमिनीस्ट्रेटर ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने उल्लेख किया कि संयुक्त राष्ट्र एच.आई.वी./एड्स को समाप्त करने की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करता है। उन्होंने एच.आई.वी./एड्स को नियंत्रित करने में भारत द्वारा की गई प्रगति की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर संस्थानों और भागीदारों, जैसे पीडियाट्रिक सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस एंड टेलीमेडीसिन, आई.ओ.सी.एल., महाजन फाउंडेशन आदि को एच.आई.वी./एड्स के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय अंशदान हेतु सम्मानित किया गया।

आनंदोत्सव में घूमने वाले पहिये पर खेलते हुए बच्चे

2016 में एम.डी.ए.सी.एस. द्वारा म्यूजियम ऑन व्हील्स, आई.ओ.सी.एल., अमूल मिल्क, के.एच.पी.टी. और विहान के सहयोग से पहला आनंदोत्सव आयोजित किया गया था। इस साल भी, महाजन फाउंडेशन ने बच्चों का मनोरंजन करने हेतु अद्भुत राइड्स और आनंददायक खेलों की व्यवस्था करके अपनी सहायता उपलब्ध कराई। वॉकहार्ड्ट फाउंडेशन, बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी समारोह में सहायता की। कुल 436 सी.एल.एच.ए. ने अपने अभिभावकों के साथ समारोह में सक्रियतापूर्वक भागीदारी की।

**सुश्री धन्यनेश्वरी सोनावाणे**
**आई.ई.सी. एवं एम.एस., एम.डी.ए.सी.एस.**

**डॉ. श्री कला आचार्य**
**अपर परियोजना निदेशक, एम.डी.ए.सी.एस.**

# समारोह

## राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस

एक व्यक्ति के जीवन में रक्त की जरूरत और महत्त्व को साझा करने के लिए, प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को भारत में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया जाता है। 4 अक्टूबर 2017 को नाको ने चंद्रलोक बिल्डिंग, नई दिल्ली में एक रक्तदान शिविर का आयोजन करके रक्तदान दिवस मनाया। रक्तदान करने के लिए लगभग 45 दातागण आए।

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको शिविर में रक्तदान करते हुए

## विश्व एड्स दिवस

पूरे विश्व में प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व एड्स दिवस पर, राज्यों द्वारा समुदायों, गैर–सरकारी संगठनों, युवाओं आदि को शामिल करते हुए जमीनी स्तर पर जागरुकता कार्यकलापों का क्रियान्वयन किया जाता है। इन कार्यकलापों में चित्रकारी प्रतियोगिताओं, नृत्य प्रतियोगिताओं, कोल्लाज बनाने की प्रतियोगिताओं, बाइक रैली, वाक इन, रंगोली प्रतियोगिताओं, कला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटकों, रक्तदान शिविरों, मोमबत्ती पदयात्राओं और संगीत समारोहों का आयोजन शामिल होता है।



## महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ एच.आई.वी./एड्स जागरुकता संबंधी आई.ई.सी. सामग्री का उद्घाटन

महाराष्ट्र के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दीपक सावंत ने डॉ. प्रदीप व्यास, प्रमुख सचिव, जन स्वास्थ्य विभाग और डॉ. सतीश पवार, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं की उपस्थिति में मंत्रालय, मुंबई में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आई.ई.सी. सामग्री का विमोचन किया गया, जिसमें एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) के लिए श्रव्य छोटे मधुर गीत, सामान्य जागरुकता हेतु पोस्टर और फ्लिपचार्ट एवं पोस्टर शामिल थे। सी.एस.आर. के अंतर्गत, ए.आर.टी. केन्द्र में वायुजनित संक्रमण की रोकथाम करने हेतु कोटेक माहिन्द्र बैंक द्वारा प्रायोहित हैपा इंफेक्शन कंट्रोल फिल्टरों का भी लोकार्पण किया गया।

**श्री रमाकांत गायकवाड़**
**महाराष्ट्र एस.ए.सी.एस.**

दमन और द्वीव

गोवा

मेघालय

मध्य प्रदेश

केरल

उत्तर प्रदेश

डी.ए.पी.सी.यू. (राजकोट)

नागालैंड

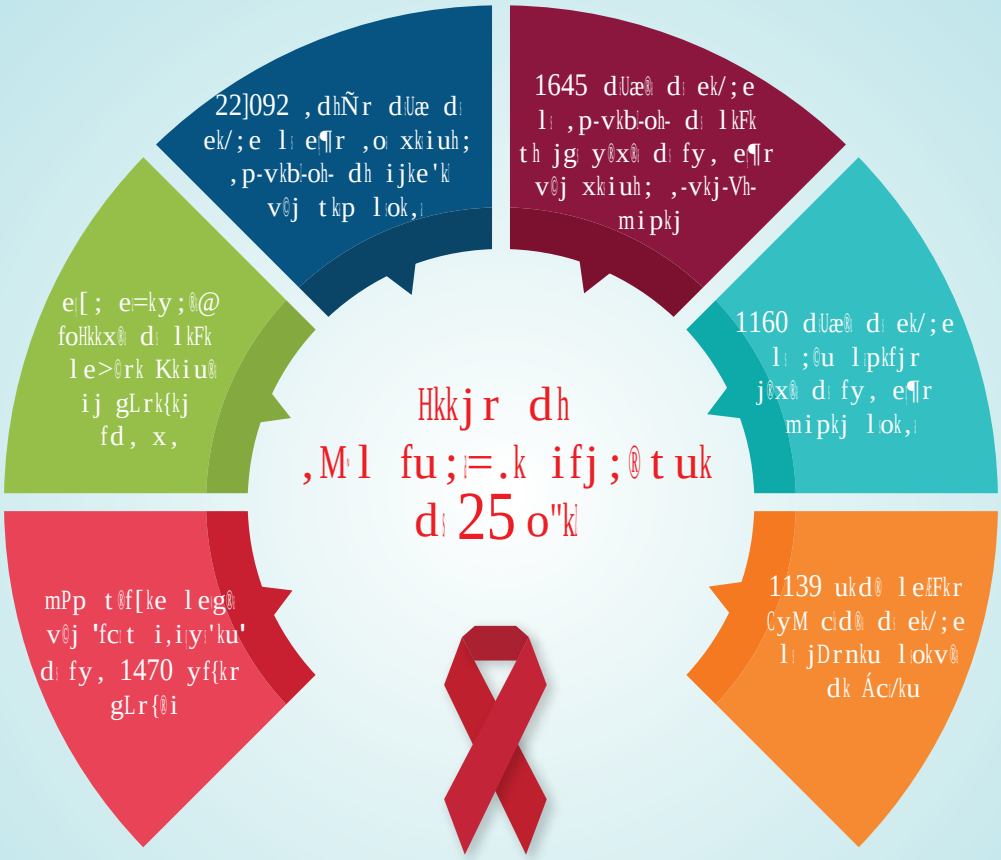

#Hkkjr dh ,M l fu;=.k ifj;tuk d 25 o"k

Vhe bfM;k u ,p-vkbl-oh- egkekjh d lQyrkiod jdk vj iyVk gA

To know more about HIV / AIDS call AIDS Helpline 1097

MOHFW_ India www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in www.naco.gov.in

lj{kd% श्री संजीव कुमार, अपर सचिव (स्वास्थ्य) एवं महानिदेशक, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

l;Dr lfpo] ukd% श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

likndh% डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (नाको)

likndh; iuy% डॉ. आर.एस. गुप्ता (डी.डी.जी), डॉ. एस. वेंकटेश (डी.डी.जी), डॉ. के.एस. सचदेवा (डी.डी.जी), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), सुश्री नेहा पाण्डे (परामर्शदाता), नाको

नाको समाचार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

9वां तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36, जनपथ, नई दिल्ली – 110001, दूरभाषः 011-43509910, फैक्सः 011-23731746, www.naco.gov.in

liknu] fMtkbu vj fuek.k% विजुयल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in

MOHFW_ India www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in www.facebook.com/NACOIndia/

e¶r ,o xIr ,p-vkbl-oh- ijke'k vj tkp d fy, lcl utnhdh ljdkjh vLirky e ,dhÑr ijke'k ,o tkp dUæ ¼vkb-lh-Vh-lh-½ e i/kkj

ljdkjh vLirky e ,VhjV"ok;jy Fkjih lUVj e ,p-vkbl-oh- dk e¶r bykt miyC/k g